ISWK SHARING KNOWLEDGE

Class-VI

Subject- Hindi Second Language

Topic-

- By- Chitra B

संवाद लेखन

Dialog Writing

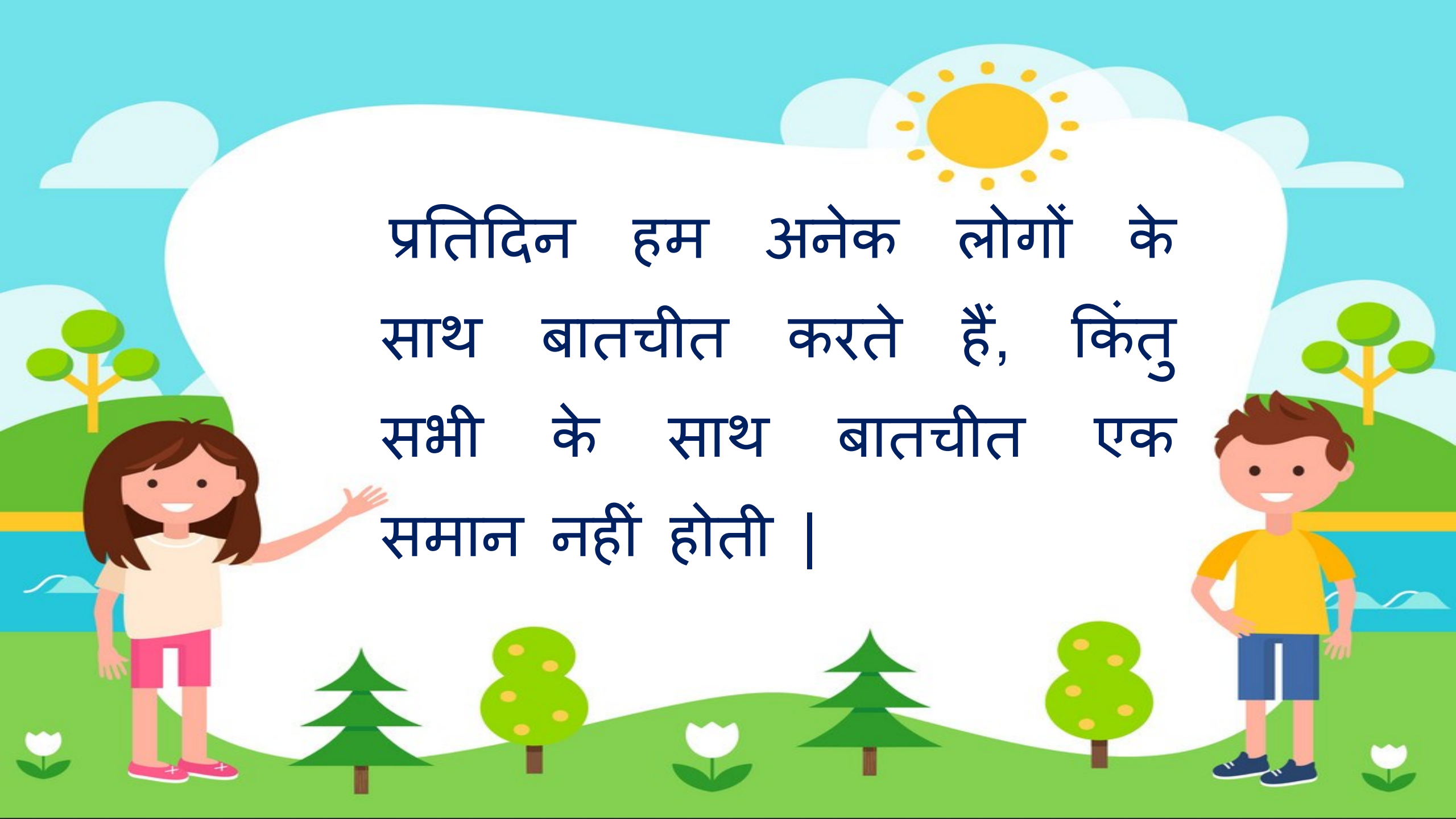
प्रतिदिन हम अनेक लोगों के साथ बातचीत करते हैं, किंतु सभी के साथ बातचीत एक समान नहीं होती |

संवाद किसे कहते है ?

दो या दो से अधिक व्यक्तियों के बीच हुई बातचीत या वार्तालाप को संवाद कहते हैं।

संवाद-लेखन

विभिन्न पात्रों के अनुरूप बातचीत या वार्तालाप को लिखना ‘संवाद-लेखन’ कहलाता है।

संवाद-लेखन

- संवाद-लेखन एक कला है|
- नाटक व कहानियों में विभिन्न पात्रों के संवाद आपने पढ़े होंगे |
- संवाद छोटे भी हो सकते हैं और बड़े भी |

संवाद-लेखन

- संवादों के माध्यम से वक्ता (बोलने वाले) और श्रोता (सुनने वाले) के मनोभावों को व्यक्त किया जा सकता हैं जैसे-एक बच्च अपने मित्र से कभी हँसकर बात करता है तो कभी नाराज़ होकर| बच्चे ने कुछ गलत किया है तो वह डरकर बात करता है |

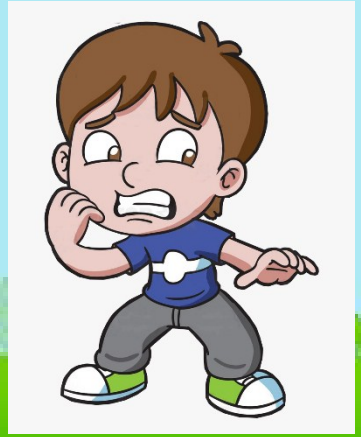

संवाद-लेखन

- संवाद लेखन में भाषा पात्रों के अनुकूल होती है जैसे; माँ की भाषा स्नेहपूर्वक, पुलिसवाले की भाषा रौबदार, अपराधी की भाषा भयपूर्ण होती है ।

अच्छी संवाद-रचना के लिए निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना चाहिए-

1. संवाद छोटे, सहज तथा स्वाभाविक हों।

2. संवाद की भाषा सरल, स्वाभाविक और बोलचाल के निकट हो।

3. संवाद में क्लिष्ट तथा अप्रचलित शब्दों का प्रयोग न हो।

4. संवाद पात्रों के अनुसार हों।

5. संवाद जिस विषय या स्थिति के सम्बंध में हों, उसे क्रमशः स्पष्ट करने वाले हों।

6. प्रसंग के अनुसार संवादों में रोचकता एवं सरसता हो।

7. वक्ता ने बोलते समय जिन भावों का प्रयोग किया है, उन्हें कोष्ठक के अंदर लिखना चाहिए जैसे- माँ (गुस्से से), दादी (प्यार से), छात्र (डरते हुए) आदि |

माँ और बेटे की बातचीत को संवाद के रूप में लिखिए |

माँ और बेटे की बातचीत को संवाद के रूप में लिखिए|

माँ-बेटे के बीच संवाद

बेटा- माँ, ओ माँ !

माँ- अरे, आ गए बेटा !

बेटा- हाँ माँ ..... ।

माँ- आज स्कूल से आने में काफी देर लगा दी..... ।

बेटा- हाँ माँ, आज स्कूल बस देर से आई |

माँ- अच्छा, चलो अब हाथ-मुँह धो लो और जल्दी से खाना खा लो |

बेटा- (हाथ-मुँह धोने के बाद) माँ, आज मैं खाना नहीं खाऊँगा |

माँ- (गुस्से से) लेकिन क्यों ? मैंने तुम्हारी पसंदीदा सब्ज़ी बनाई है |

बेटा- जब स्कूल बस नहीं आई, तो मुझे भूख लगी थी और (डरते हुए) मैंने कैंटीन से पिज़्ज़ा खा लिया |

माँ- तुम्हें मैंने कितनी बार समझाया है कि पिज़्ज़ा सेहत के लिए सही नहीं है |

बेटा- माँ, मुझे बहुत तेज़ भूख लगी थी |

माँ- लेकिन बेटा, तुम कुछ और खा लेते |

बेटा- ठीक है माँ, आगे से मैं इस बात का ख्याल (ध्यान) रखूँगा |

माँ- मेरा प्यारा बेटा |

(2) सब्जीवाले और ग्राहक का वार्तालाप -

ग्राहक- ये मटर कैसे दिए है भाई ?
सब्जीवाला- ले लो बाबू जी ! बहुत अच्छे मटर है, एकदम ताजा।
ग्राहक- भाव तो बताओ।
सब्जीवाला- बेचे तो पचास रुपये किलो हैं पर आपसे पैंतालीस रुपये ही लेंगे।
ग्राहक- बहुत महँगे है भाई!
सब्जीवाला- क्या बताएँ बाबूजी ! मण्डी में सब्जी के भाव आसमान छू रहे हैं।
ग्राहक- फिर भी ..... । कुछ तो कम करो।
सब्जीवाला- आप एक रुपया कम दे देना बाबू जी ! कहिए कितने तोल दूँ?
ग्राहक- एक किलो मटर दे दो। और ..... एक किलो आलू भी।

सब्जीवाला- टमाटर भी ले जाइए, साहब। बहुत सस्ते हैं।
ग्राहक- कैसे?
सब्जीवाला- तीस रुपये किलो दे रहा हूँ। माल लुटा दिया बाबू जी।
ग्राहक- अच्छा ! दे दो एक किलो टमाटर भी। ..... और चार नींबू भी डाल देना।
सब्जीवाला- यह लो बाबू जी। धनिया और हरी मिर्च भी रख दी है।
ग्राहक- कितने पैसे हुए?
सब्जीवाला- सिर्फ सतहत्तर रुपये।
ग्राहक- लो भाई पैसे।
सब्जीवाला- धन्यावाद बाबू जी।

प्रश्न - दो मित्रों की बातचीत को संवाद के रूप में लिखिए|

अथवा

प्रश्न - भाई तथा बहन की बातचीत को संवाद के रूप में लिखिए|

Thank
you!